

**टकटक** क्रि.वि. (देश.) एकटक देखना, टकटकी लगाकर देखना।

**टकटका** वि. (देश.) एक जगह स्थित दृष्टि।

**टकटकाना** स.क्रि. (देश.) 1. एकटक देखना, स्थिर दृष्टि से देखना 2. टकटक ध्वनि करना 3. फल गिराने के लिए किसी पेड़ को हिलाना।

**टकटकी** स्त्री. (देश.) स्थिर दृष्टि, अपलक तकाई मुहा. टकटकी बाँधना- स्थिर दृष्टि होना; टकटकी बाँधना- स्थिर दृष्टि से देखना।

**टकटोरना** स.क्रि. (देश.) छूकर पता लगाना या जाँचना, टटोलना।

**टकटोलना** स.क्रि. (देश.) टटोलकर देखने की क्रिया या काम।

**टकटोहना** पुं. (देश.) दे. टकटोलना।

**टकतंत्री** स्त्री. (तत्.) सितार की तरह का एक प्राचीन बाजा।

**टकना** पुं. (देश.) टाँग।

**टकराना** अ.क्रि. (देश.) 1. जोर से भिड़ना, ठोकर लग जाना 2. इधर-उधर घूमना, मारा-मारा फिरना स.क्रि. दो वस्तुओं को आपस में टकरा देना। मुहा. माथा टकराना- अनुनय-विनय करना, सिर मारना, हैरान होना, किसी को किसी से लड़ा देना।

**टकराव** पुं. (देश.) टकराहट, टक्कर।

**टकराहट** स्त्री. (देश.) टकराने का भाव या क्रिया 2. संघर्ष, लड़ाई।

**टकरोना** स.क्रि. (देश.) दे. टकटोलना।

**टकसार** स्त्री. (देश.) दे. टकसाल।

**टकसाल** स्त्री. (देश.) 1. सिक्कों की ढलाई का स्थान मुहा. टकसाल का खोटा- नीच, कमीना, दुष्ट; टकसाल चढ़ना- टकसाल में परखा जाना, पारंगत माना जाना; टकसाल बाहर- अप्रामाणिक। 2 निर्दोष वस्तु, असल चीज।

**टकसाली** वि. (देश.) 1. टकसाल का बना हुआ, खरा, चोखा 2. सर्वसम्मत 3. प्रामाणिक, पक्का,

जँचा हुआ मुहा. टकसाली बात- पक्की बात, ठीक बात; टकसाली भाषा/बोली- शिष्ट भाषा/बोली।

**टका** पुं. (देश.) 1. चाँदी, ताँबे का सिक्का (जो दो पैसों के बराबर होता था) पर्या. अधन्ना, दो पैसे मुहा. टका सा जवाब देना- तुरंत अस्वीकार करना, साफ इनकार कर देना; टका सा मुँह लेकर रह जाना- शर्मिदा होना, खिसिया जाना; टके ऐँठना- अनुचित रूप से पैसा प्राप्त करना; टके की औकात- गरीब आदमी; टके को न पूछना- ज़रा सा भी महत्व न होना 2. रुपया- पैसा प्रयो. टका पास हो सभी इज्जत करते हैं।

**टकाना** स.क्रि. (देश.) दे. टँकाना।

**टकासी** स्त्री. (देश.) टके रुपए का ब्याज, रुपए पर दो पैसे का सूद।

**टकाही** स्त्री. (देश.) टकासी, एक रुपए पर प्रतिमास दो पैसे का सूद देने-लेने का ढंग।

**टकुआ** पुं. (तद्.) 1. तकला, एक प्रकार का सुआ 2. छोटे तराजू या काँटे के पल्लों में लगा हुआ धागा।

**टकुली** स्त्री. (देश.) पत्थर काटने वाली छेनी, नक्काशी करने का एक औजार।

**टकैत** वि. (देश.) टके वाला, रुपए पैसे वाला 2. थोड़ी पूँजी या कम हैसियत वाला।

**टकोटहन** पुं. (देश.) छूकर या स्पर्श से जाँचना।

**टकोर** स्त्री. (देश.) 1. हलकी चोट, थपेड़ 2. डंके की चोट 3. सेंक, सिंकाई।

**टकोरना** स.क्रि. (देश.) 1. डंके पर चोट करना 2. सेंकना, सिंकाई करना 3. ठोकर लगाना, आघात पहुँचाना।

**टकोरा** पुं. (देश.) डंके की चोट।

**टकौरी** स्त्री. (देश.) छोटा काँटा, सोना वगैरह तौलने का छोटा तराजू।

**टक्क** पुं. (तत्.) कंजूस व्यक्ति।

**टक्कर** स्त्री. (देश.) 1. ठोकर 2. दो चीजों का वेग के साथ आपस में भिड़ना 3. मुकाबला मुहा.